As per
NEP 2020

एवरशाइन

फुलवारी गीत

अशोक लव

मछली रानी

जल में तैरे छम-छम मछली
उछले कूदे धम-धम मछली
हाथ नहीं है आती मछली
झट से फिसल है जाती मछली

मेंढक की सीख

मेंढक बोला टर-टर-टर,
जल्दी-जल्दी पुस्तक पढ़,
न कर झगड़ा और न लड़,
सबके मन में खुशियाँ भर ।

अच्छा बच्चा

प्यारी-प्यारी मम्मी जी,
एक बात कहूँ ओ मम्मी जी।
जल्दी मुझको करो तैयार,
पुस्तकें ले दो मुझको चार।
पढ़ने स्कूल मैं जाऊँगा,
आकर तुम्हें सुनाऊँगा,
अच्छा बच्चा कहलाऊँगा ।

जंगल का राजा

एक जंगल था बड़ा भयंकर,
बहुत जानवर उसके अंदर।
भालू, गैंडे, चीते, हाथी,
शेर अकेला न कोई साथी।
जिसे चाहता खा जाता था,
राजा सबका कहलाता था ।